



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

4 फाल्गुन 1944 (श०)
(सं० पटना 165) पटना, बृहस्पतिवार, 23 फरवरी 2023

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना
22 फरवरी 2023

सं० : **Exp-21/2020/(खंड-39)फुलपरास-23**—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग के आदेश संख्या-76/बिहार/वि०सं०/39/सी.ई.एम.एस.-III/2020 दिनांक 09.02.2023 से एतद्वारा घोषित किया गया है कि बिहार राज्य के 39-फुलपरास विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से बिहार राज्य में विधान सभा के साधारण निर्वाचन, 2020 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री अशोक सिंह, ग्राम-डेवढ़, पो.+थाना-घोघरडीहा, जिला-मधुबनी, (बिहार), पिन कोड-847402 इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए संसद के किसी भी सदन अथवा राज्य अथवा संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद का सदस्य चुने जाने अथवा होने के लिए निरर्हित है (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती हैं।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार साहु,
संयुक्त सचिव-सह-
संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार।

आदेश

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली- 110001/ दिनांक 09 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक)

सं. 76/बिहार/वि.स./39/सी.ई.एम.एस.-III/2020—यतः, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार राज्य में विधान सभा के साधारण निर्वाचन 2020 की घोषणा प्रेस नोट संख्या ईसीआई/प्रे.नो./64/2020 दिनांक 25 सितम्बर, 2020 के द्वारा की गई थी।

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से 30 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय के अपने लेखे की सही प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी को दाखिल करनी होती है;

और यतः, 39-फुलपरास विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उक्त निर्वाचन के परिणाम 10 नवंबर, 2020 को घोषित किए गए थे, इस प्रकार, निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने की अन्तिम तारीख 10 दिसंबर, 2020 थी;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, मधुबनी के पत्र सं. 63/जि. निर्वा. दिनांक 18 दिसंबर, 2020 द्वारा प्रस्तुत और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार द्वारा पत्र सं. EXP.-21/2020(खंड-39) **फुलपरास/7789** के जरिए अग्रेषित दिनांक 23 दिसंबर, 2020 की रिपोर्ट के अनुसार **श्री अशोक सिंह**, जो बिहार के **39-फुलपरास** विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी हैं, विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई भी लेखा दाखिल करने में विफल रहे हैं।

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, मधुबनी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 89 के उप नियम (5) के अंतर्गत निर्वाचन व्यय प्रस्तुत नहीं करने के लिए **श्री अशोक सिंह** को कारण बताओ नोटिस सं.76/बिहार/वि०स०-2020/39/सी.ई.एम.एस.-III, दिनांक 25 जून, 2021 जारी किया गया था;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 89 के उप-नियम (6) के अनुसार, दिनांक 25 जून, 2021 के उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के जरिए **श्री अशोक सिंह** को निदेश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के अंदर लेखा न प्रस्तुत कर पाने के कारणों को स्पष्ट करते हुए लिखित रूप में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, **मधुबनी** द्वारा अपने दिनांक 08/11/2021 के पत्र संख्या 931/जि.निर्वा. के जरिए आयोग को प्रस्तुत सूचना के अनुसार उक्त नोटिस **श्री रामबहादुर सिंह (चाचा)** द्वारा 28 सितम्बर, 2021 को प्राप्त किया गया था;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, **मधुबनी** द्वारा अपने दिनांक 23/12/2022 के पत्र संख्या 1706/निर्वाचन के जरिए प्रस्तुत की गई अनुपूरक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि **श्री अशोक सिंह** ने न तो कोई भी अभ्यावेदन और न ही अपने निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग का सम्यक नोटिस मिलने के उपरांत भी उक्त विफलता के लिए न तो कोई कारण बताया है और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया है;

और यतः, आयोग को यह समाधान हो गया है कि **श्री अशोक सिंह** निर्वाचन खर्चों का लेखा दाखिल करने में विफल रहे हैं और उनके पास इस विफलता के लिए कोई भी उचित कारण अथवा औचित्य नहीं है;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में अनुबंधित किया गया है कि:-

“यदि निर्वाचन आयोग को यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति -

- निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा
- उस असफलता के लिए कोई उचित कारण या न्यायोचित्य नहीं रखता है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित होगा;

अतः, अब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा घोषणा करता है कि बिहार राज्य के **39-फुलपरास** विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से बिहार राज्य में विधान सभा के साधारण निर्वाचन, 2020 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी **श्री अशोक सिंह, ग्राम- डेवढ़, पो.-थाना- घोघरडीहा, जिला- मधुबनी, (बिहार), पिन कोड-847402** इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए संसद के किसी भी सदन अथवा राज्य अथवा संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद का सदस्य चुने जाने अथवा होने के लिए निरर्हित है।

आदेश से,
बिनोद कुमार,
सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001/Dated 09 February, 2023/20 Magh, 1944
(Saka)

No-76/BR-LA/2020/39/CEMS-III--**WHEREAS**, the General Election to the Legislative Assembly of Bihar, 2020 was announced by the Election Commission of India vide Press Note No. ECI/PN/64/2020, dated 25 September, 2020.

AND, WHEREAS, as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election has to, within 30 days from the date of election of the returned candidate, lodge a true copy of the account of his election expenses with the District Election Officer;

AND, WHEREAS, the result of the said election along with **39-Phoolparas** Assembly Constituency was declared by the concerned Returning Officer on 10th November, 2020. Hence, the last date for lodging the account of Election Expenses was 10th December, 2020;

AND WHEREAS, As per the report dated 18th December, 2020, vide letter no. 63 submitted by the District Election Officer, **Madhubani**, Bihar and forwarded by the Joint Chief Electoral Officer, Bihar vide their letter No. Expenditure-21/2020(Vol.-39) Phoolparas/7789, dated 23rd December, 2020, **Shri Ashok Singh**, a contesting candidate from **39-Phoolparas** Assembly Constituency of Bihar, has failed to lodge account of his election expenses, in the manner, as required under law;

AND WHEREAS, on the basis of the reports of the **District Election Officer, Madhubani**, Bihar and the Chief Electoral Officer, Bihar, a Show-Cause notice सं. 76/बिहार/वि०स०/2020/39/सी.ई.एम.एस.-III dated 25th June, 2021 was issued under sub rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Elections Rules, 1961 by the Election Commission of India to **Shri Ashok Singh**, for not lodging the account of Election Expenses;

AND WHEREAS, As per the sub rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Elections Rules, 1961, through the above said Show-Cause Notice, dated 25th June, 2021, **Shri Ashok Singh** was directed to submit his representation in writing with explaining the reasons for not lodging the account and to lodge account of election expenses within 20 days from the date of receipt of the notice;

AND WHEREAS, the said notice was received by his uncle Shri Rambhadrur Singh on 28th September, 2021, at the address given by **Shri Ashok Singh**, The acknowledgment receipt has been submitted to the Commission by the District Election Officer, **Madhubani**, vide its letter no. 931/Nirvachan dated 08th November, 2021;

AND WHEREAS, the **District Election Officer, Madhubani**, in his Supplementary Report, vide its letter No. 1706/Nirvachan dated 23th December, 2022 has reported that **Shri Ashok Singh**, has neither submitted any representation nor any statement of account of election expenses till date. Further, after receipt of the due notice of the Election Commission of India, he has furnished neither any reason nor explanation for the said failure;

AND WHEREAS, the Commission is satisfied that **Shri Ashok Singh**, has failed to lodge the account of election expenses and has no good reason or justification for the failure,

AND WHEREAS, Section 10A of the Representation of the People Act, 1951 provides that:-

"If the Election Commission is satisfied that a person-

- i. has failed to lodge an account of election expenses, within the time and in the manner required by or under this Act, and*
- ii. has no good reason or justification for the failure,*
the Election Commission shall, by order published in the Official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from the date of the order";

NOW, **THEREFORE**, in pursuance of Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares **Shri Ashok Singh**, resident of **Village- Devadh, PO+P.S.- Ghoghardiha, Dist.- Madhubani (Bihar) 847402**, a contesting candidate from **39-Phoolparas** Assembly Constituency in General Election to the Legislative Assembly of Bihar, 2020 to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of the Parliament or the Legislative Assembly or the Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,
Binod Kumar,
SECRETARY,
ELECTION COMMISSION OF INDIA.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 165-571+50-डी0टी0पी0
Website: <http://egazette.bih.nic.in>